सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 27 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 28 फरवरी, 2023

बहुत सी ऐसी महिलाएं हैं जो समाज में भारी परिवर्तन लेकर आई हैं।

-अब्दुल कलाम

नीतीश सरकार ने उठाई बजट भाषण में विशेष... 2 | बिहार से मोदी को हटाने का चलेगा... 3 | कश्मीरी पंडितों ने की एलजी पद... 7

सिसोदिया-सीबीआई 'संग्राम' सुप्रीम कोर्ट की चौखट पर

डिप्टी सीएम की मांग-सीबीआई जांच में सहयोग कर रहे थे, तो उनकी गिरफ्तारी क्यों की गई

दोपहर बाद होगी सुनवाई

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी का मुद्दा अब सुप्रीम कोर्ट के दरबार में पहुंच गया है। जहां उसकी सुनवाई दोपहर के बाद होगी। शराब घोटाला मामले में अपनी गिरफ्तारी और सीबीआई जांच के तरीके को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। मनीष सिसोदिया की ओर से अभिषेक मनु सिंघवी ने पैरवी करते हुए सुप्रीम कोर्ट से याचिका पर जल्द सुनवाई की मांग की।

मुख्य न्यायाधीश ने अभिषेक सिंघवी को सुनने के बाद पूछा कि वे सीधे सुप्रीम कोर्ट आने से पहले उच्च न्यायालय क्यों नहीं गए, इसपर सिंघवी ने विनोद दुआ मामले के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला दिया। इसके बाद चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि वे मामले की सुनवाई दोपहर 3:50 बजे करेंगे। सिसोदिया का कहना है कि जब वो सीबीआई जांच में सहयोग कर रहे थे, तो उनकी गिरफ्तारी क्यों की गई।

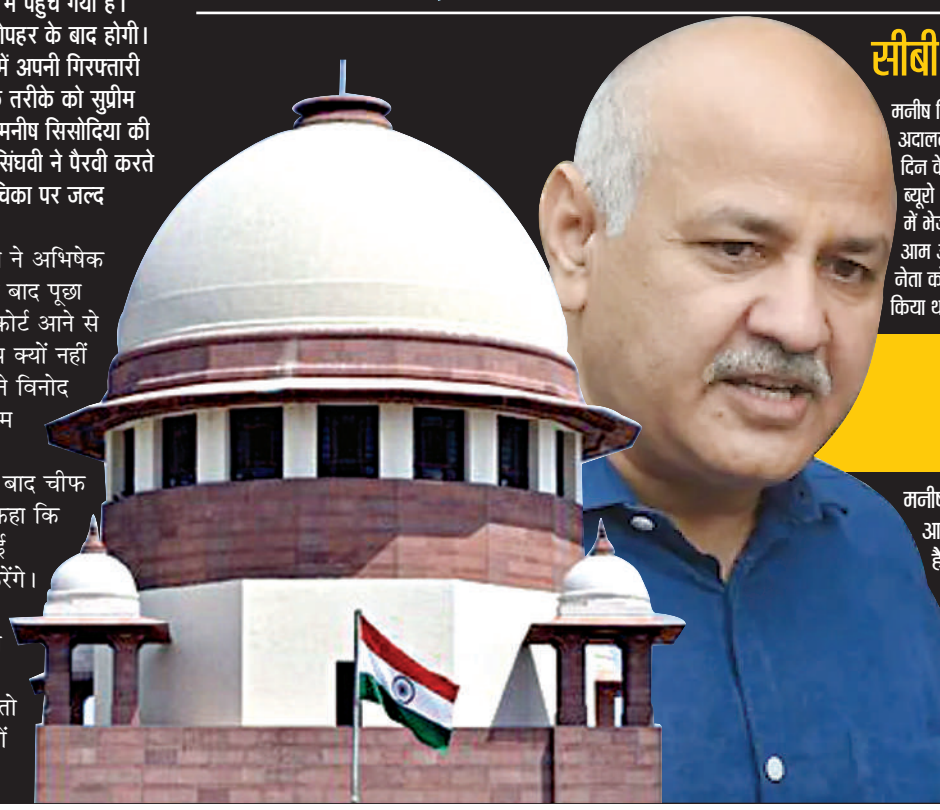

सीबीआई अदालत ने 5 दिन के लिए हिरासत में भेजा था

मनीष सिसोदिया को एक विशेष अदालत ने सोमवार को पांच दिन के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की हिरासत में भेज दिया। जांच एजेंसी ने आम आदमी पार्टी (आप) के नेता को विशेष अदालत में पेश किया था और उन्हें पांच दिन के लिए उसकी हिरासत में सौंपने का अनुरोध किया था। इसके बाद, विशेष न्यायाधीश एम.के. नागपाल ने सिसोदिया को चार मार्च तक के लिए सीबीआई की हिरासत में भेज दिया। न्यायाधीश ने कहा था कि हालांकि आरोपी इस मामले में पहले दो मौकों पर जांच में शामिल हुए हैं, लेकिन यह भी देखा गया है कि वह जांच एवं पूछताछ के दौरान किए गए अधिकतर प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाए, उन्होंने कहा कि सिसोदिया अब तक की गई जांच के दौरान कथित रूप से उनके खिलाफ पाए गए आपत्तिजनक सबूतों के संबंध में उचित स्पष्टीकरण देने में विफल रहे हैं।

दिल्ली के उपराज्यपाल पर भी हो कार्रवाई : संजय सिंह

मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी के मामले में भी दिल्ली के उपराज्यपाल पर आम आदमी पार्टी सवाल उठा रही है, संजय सिंह का कहना है कि सीबीआई अब कह रही है कि उस एक्साइज पॉलिसी में भ्रष्टाचार हो गया, तो एलजी साहब पर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही? मनीष सिसोदिया के पास कई मंत्रालयों का कार्यभार है। क्या ऐसे में दिल्ली के कामकाज पर प्रभाव नहीं पड़ेगा? इस पर संजय सिंह ने कहा कि दिल्ली अच्छे ढंग से चलेगी उसकी चिंता मत कीजिए, हमारे लिए इस समय एक संकट का समय जरूर है, लेकिन न्याय की जीत होगी।

नेता सदन अपना इकोनॉमी एडवाइजर बदल दें : अखिलेश

» बोले-वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी पाने को 34 प्रतिशत ग्रोथ चाहिए

» सपा के घोषणा पत्र पर काम करें, 32 प्रतिशत ग्रोथ रेट हासिल हो जाएगा

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बजट चर्चा पर बोलते हुए नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि मौजूदा बजट दिशाहीन है। उन्होंने सदन में योगी सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि सबका साथ सबका विकास बिना समाजवाद के राम राज्य संभव नहीं है। इसलिए समाजवाद को समझना होगा।

उन्होंने कहा कि 33 लाख करोड़, 19 हज़ार एमओयू साइन किए जहां ये कार्यक्रम हुआ वहां 22 दिन से सफाई नहीं हुई। एमओयू जो दिखाए गए है वो हवा हवाई है। सपा सरकार थी, एवरेज ग्रोथ थी, 22.2 प्रतिशत पांच प्रतिशत कम है। वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी पाने के 34 प्रतिशत ग्रोथ चाहिए अगले चार में कैसे संभव हो पाएगा, मैं आपके साथ यह ग्रोथ पाने के लिए मै आपके साथ हूं हर तरह का सहयोग करूंगा। मैं कहता हूं नेता सदन अपना इकोनॉमी एडवाइजर बदल दें, सपा का घोषना पत्र पर काम करें 32 प्रतिशत ग्रोथ रेट हासिल हो जाएगा। आर्थिक सलाहकार फेल, वित्त विभाग फेल, 200 करोड़ कम्पनी पर खर्च कर रहे है। भुखमरी समाप्त करने में यूपी पांचवे नंबर पर, क्लीन वॉटर में 20वें नंबर पर, इंडस्ट्री इंफ्रास्ट्रक्चर में 17वें नंबर पर हैं।

उमेश पाल हत्याकांड: बीजेपी और सपा में पिक्चर वॉर

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के उमेश पाल हत्याकांड के आरोपी सदाकत खान का अखिलेश यादव और भाजपा के नेता और पूर्व विधायक उदयभान करवरिया के साथ वायरल हो रही है। फोटो मामले में पूर्व सीएम ने कहा कि फोटो तो काई भी खिंचवा सकता है। ज्ञात हो कि सोमवार को यूपी पुलिस ने सदाक़त खान को गिरफ़्तार किया था। सदाकत को उमेश पाल हत्याकांड का मुख्य साज़िशकर्ता बताया जा रहा है। वह किस पार्टी का सक्रिय सदस्य था, अभी तक इसकी कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। प्रयागराज हत्याकांड

के आरोपी सदाकत खान की समाजवादी प्रमुख अखिलेश यादव के साथ एक तस्वीर भाजपा नेताओं ने ट्विटर पर साझा की थी। समाजवादी पार्टी को अपराधियों की नर्सरी कहते हुए, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि सरकार अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस रखती है। इसके जवाब में, समाजवादी पार्टी नेता अमीक जमी ने भाजपा के पूर्व विधायक उदयभान करवरिया के साथ सदाकत खान की एक तस्वीर साझा कर दी। सदाकत वर्तमान में बीजेपी का सदस्य था जिसकी फोटो सपा के साथ जोड़ी जा रही है।

भाजपा की नीति से चारों ओर त्राहि-त्राहि : अखिलेश

» बोले- लोकसभा चुनाव प्रभावित करने के लिए भाजपा कर रही साजिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा वर्ष 2024 का लोकसभा चुनाव प्रभावित करने का प्रयास कर रही है। चारों ओर महंगाई से लोग त्राहि-त्राहि कर रहे हैं।

इसी के तहत भाजपा देश के बड़ें विपक्षी नेताओं के खिलाफ साजिश और षड्यंत्र कर ईडी व सीबीआइ का प्रयोग कर रही है। भाजपा महंगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को दबाने के लिए जबरन विपक्षी नेताओं को फर्जी केस में फंसा रही है। अखिलेश ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सिर्फ चार प्रतिशत बेरोजगारी दर बताई जा रही है। इसका मतलब क्या 90 प्रतिशत बेरोजगारों को रोजगार मिल गया है? गैस सिलेंडर, दूध, आटा, दाल सब महंगा हो गया है। भाजपा के पास महंगाई कम करने का कोई भी जवाब नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रदेश का किसान छला गया है। उसको न तो न्यूनतम समर्थन मूल्य मिला और न ही उसकी आय दोगुनी हुई। गन्ना किसान को बकाया भुगतान भी नहीं मिला। नौजवान का भविष्य अंधेरे में हैं। शिक्षामित्र आज भी परेशान और बेहाल हैं। अखिलेश ने कहा कि हमने प्रदेश सरकार से कई बार टाप-10 या टाप-100 माफिया की सूची जारी करने की मांग की है लेकिन भाजपा सरकार सूची जारी नहीं कर रही है। केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा ने जिस उद्योगपति को बढ़ाया था वह 20 लाख करोड़ रुपये के घाटे में चला गया है। एलआइसी और एसबीआइ जैसी सरकारी संस्थाओं का पैसा डूब गया। केंद्र सरकार कार्रवाई क्यों नहीं कर रही है?

बार-बार क्यों कैंसिल कर रहे हैं भर्ती विज्ञापन

लखनऊ। नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने विधानसभा में प्रश्नकाल में सैफई मेडिकल कॉलेज और कैंसर इंस्टीट्यूट लखनऊ में विशेषज्ञ चिकित्सकों की भर्ती के विज्ञापन बार बार कैंसिल होने का मुद्दा उठाया। अखिलेश यादव ने कहा कि भर्ती विज्ञापन कैंसिल करने का क्या कारण है? क्या किसी को खुश करने के लिए ऐसा कर रहे हैं या किसी का इंतजार कर रहे हैं कि उनका कोर्स पूरा होने के बाद भर्ती की जाए। अखिलेश यादव ने कहा कि लखनऊ कैंसर इंस्टीट्यूट प्रतिष्ठित संस्थान है। इसमें बड़ी संख्या में पद खाली है। यह पद कब तक भरे जाएंगे। कैंसर इंस्टीट्यूट और सैफई मेडिकल कॉलेज में भर्ती के लिए विज्ञापन निकाला जाता है फिर उसे कैंसिल कर दिया जाता है। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि उप मुख्यमंत्री को विभाग में बजट नहीं मिलने के कारण वह काम नहीं कर पा रहे है।

एससी वर्ग के नेजाओं को बोलने की आजादी नहीं : कैलाश मेघवाल

» राजनैतिक पार्टियां गुलाम बनाकर रखती हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भीलवाड़ा। भाजपा के वरिष्ठ नेता और विधान सभा के पूर्व स्पीकर विधायक कैलाश मेघवाल ने भीलवाड़ा में कहा कि यह कहने में मुझे आज की राजनीति में कोई एतराज नहीं है कि शेड्यूल कास्ट के लोगों को राजनीतिक पार्टियां गुलाम की तरह रखती है उनको स्वतंत्र बोलने की आजादी नहीं होती है अगर शेड्यूल कास्ट के राजनेता स्वतंत्र बोलते तो टिकट कट हो जाते है इसलिए राजनीति में हमें कई तरह का ध्यान रखना पड़ता है।

उन्होंने सभी राजनैतिक पार्टियों पर बड़ा हमला करते हुए कहा कि 1952 से ही शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र शेड्यूल कास्ट के लिए आरक्षित है। भाजपा के प्रमुख दलित चेहरे कैलाश मेघवाल राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में शाहपुरा प्रेस क्लब भवन लोकार्पण कार्यक्रम में बोल रहे थे । इस कार्यक्रम के दौरान जिला पत्रकार सम्मेलन का भी आयोजन किया गया। इसमें भीलवाड़ा जिले के अधिकतर पत्रकार मौजूद थे, उनकी उपस्थिति में मेघवाल ने यह हमला बोल कर सभी को चौंका दिया।

विवादित बयान मामले में पवन खेड़ा की अंतरिम जमानत बढ़ी

» असम-यूपी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से मांगा समय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ विवादित बयान देने वाले कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा की अंतरिम जमानत शुक्रवार तक बढ़ा दी गई है। असम और उत्तर प्रदेश सरकार ने अपना जवाब दाखिल करने के लिए कोर्ट से समय मांगा था। जिसके बाद सीजेआई चंद्रचूड़ ने 3 मार्च तक का समय दिया है। सीजेआई ने यह भी कहा कि पवन खेड़ा की अंतरिम जमानत भी शुक्रवार तक बढ़ाई गई है।

गौरतलब है कि पवन खेड़ा पर यूपी-असम में पीएम मोदी पर विवादित बयान पर 3 एफआईआर दर्ज की गई थीं। 23 फरवरी को पार्टी अधिवेशन में दिल्ली से रायपुर जाने के दौरान असम पुलिस ने खेड़ा को फ्लाइट से उतारकर गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद अभिषेक मनु सिंघवी की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने खेड़ा को राहत देते हुए 28 फरवरी तक अंतरिम जमानत दे दी थी।

पवन पर भारतीय दंड संहिता आईपसी की धारा 153 लीगी है। इसमें 'धर्म, जाति, जन्म स्थान, निवास, भाषा, आदि के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच शत्रुता को बढ़ावा देने और सद्भाव बिगाड़ने' के मामले में लगाई जाती है। इसमें 3 साल तक के कारावास, या जुर्माना, या दोनों का प्रावधान है. इसे 1898 में अधिनियमित किया गया था ।

एफआईआर क्लब करने के आदेश

पवन खेड़ा के खिलाफ यूपी के लखनऊ-वाराणसी और असम में दर्ज तीनों एफआईआर को एक जगह क्लब करने का आदेश दिया गया था। कोर्ट ने इसके लिए यूपी और असम को नोटिस भी जारी किया था। 23 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद दिल्ली की द्वारका कोर्ट ने खेड़ा को 30 हजार के बॉन्ड पर अंतरिम जमानत दी थी। फैसला असम पुलिस के ट्रांजिट रिमांड की मांग पर सुनाया गया था।

अभिभाषण में बताए गलत तथ्य : आदित्य

» बोले- महा विकास आघाड़ी सरकार की योजाओं को शिंदे सरकार ने अपना बताया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने राज्य के राज्यपाल रमेश बैस के अभिभाषण में गलत बाते होने पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कुछ गलत जानकारियां दी गईं और इसमें जिन परियोजनाओं का जिक्र किया गया, उनमें से कई परियोजनाएं पूर्ववर्ती महा विकास आघाड़ी सरकार की ओर से शुरू की गई थीं। ठाकरे ने राज्य विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन यह बात कही।

राज्यपाल ने सत्र की शुरुआत में दोनों सदन के सदस्यों को संबोधित किया। राज्यपाल का अभिभाषण राज्य सरकार की नीतियों और योजनाओं को

दर्शाता है। ठाकरे ने कहा कि दावोस में हुई विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की बैठक के संबंध में राज्यपाल के भाषण में दिए गए बयान थोड़े गलत थे क्योंकि अधिकतर परियोजनाओं हमने या तो शुरू की थी या हमारे सत्ता में रहने के दौरान उनका काम आगे बढ़ा। ऐसा लगता है कि उन्हें (राज्यपाल को) किसी ने गुमराह किया है। राज्यपाल ने कहा कि (मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की) राज्य सरकार ने पिछले महीने डब्ल्यूईएफ की बैठक में 1.37 लाख करोड़ रुपये के निवेश के लिए 19 कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

सच बोलने वाले नेताओं को परेशान करती है केंद्र सरकार

आदित्य ठाकरे ने सीबीआई की ओर से दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी पर टिप्पणी करते हुए कहा कि मुझे मामले के बारे में विस्तार से नहीं पता है, लेकिन जो कोई भी ऐसी बात बोलता है, जिसे केंद्र सरकार सुनना नहीं चाहती, तो उसे विभिन्न जांच एजेंसी के जरिए निशाना बनाया जाता है। हमने सच बोलने का फैसला करने वाले विपक्ष के कई नेताओं के साथ इसी तरह होते देखा है।

टीएमसी का आधिकारिक ट्विटर अकाउंट हैक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के आधिकारिक ट्विटर अकाउंट को मंगलवार को हैक कर लिया गया। हैकर ने टीएमसी के ट्विटर अकाउंट की प्रोफाइल पिक्चर और नाम को बदल दिया। ट्विटर हैंडल का नाम बदलकर युग लैब्स कर दिया गया। दरअसल, युग लैब्स अमेरिका स्थित एक ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी कंपनी है, जो एनएफटी और डिजिटल संग्रह विकसित करती है। यह क्रिप्टोकरेंसी और डिजिटल मीडिया में भी माहिर कंपनी है।

इससे पहले भी कई पार्टियों के ट्विटर हैंडलों को हैक किया जा चुका है। बीते साल 10 दिसंबर को वाईएसआर कांग्रेस का आधिकारिक ट्विटर अकाउंट हैक कर लिया गया था। इस अकाउंट पर क्रिप्टो करेंसी के पक्ष में ट्वीट किए गए थे। पार्टी के ट्विटर बायो को भी बदल दिया गया था। अक्टूबर में तेलुगू देशम पार्टी का आधिकारिक ट्विटर अकाउंट भी हैक कर लिया गया था। अप्रैल 2022 में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री कार्यालय का आधिकारिक ट्विटर अकाउंट हैक कर लिया गया था।

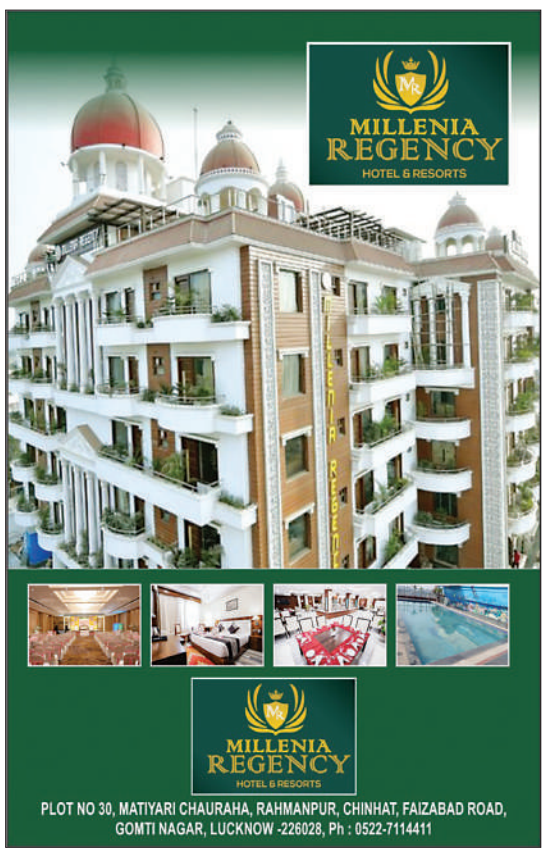

क्या फिर पंजाब में आ जाएगा आतंकवाद!

खालिस्तान आंदोलन के नाम पर अराजकता

» सीएम और पीएम को देना होगा ध्यान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पंजाब की शांति को भंग करने की साजिश हो रही है। पिछले कुछ महीनों देश विरोधी ताकते वहां पर सक्रिय होकर पंजाबी शान को मिटाने की कोशिश कर रही हैं। 1980-90 के दशक में भारत के सबसे हिंसक विद्रोहों में से एक खालिस्तान आंदोलन, जिसने 21 हजार से ज्यादा लोगों की जान ले ली। उस दौर पंजाब में आतंकवाद फलफूल गय्या था, और कई साल तक आतंकी आग में पजांब जलने को मजबूर हो गया था।

आतंक को खत्म करने में वहां के तत्कालीन सीएम बेअंत सिंह व पूर्व डीजीपी केपीएस गिल की अहम भूमिका थी। हालांकि बेअंत सिंह की बाद में आतंकियों ने हत्या कर दी थी। तीन दशक बाद फिर से पिछले एक साल से खालिस्तान आंदोलन के जीवत होने की खबरें विभिन्न तरह से सामने आती रहीं। फिर बीते दिनों सिख फॉर जस्टिस के कन्वीनर गुरपतवंत पन्नू ने 29 अप्रैल को खालिस्तान का स्थापना दिवस मनाने की घोषणा और पटियाला में हिंसक झड़प। पंजाब की शांति को भंग करने के लिए लगातार शरारतों पर आमदा देश विरोधी ताकतों द्वारा पिछले कुछ महीनों के दौरान लगातार सक्रिय हैं। ताजा मामला खालिस्तान के एक अलगाववादी नेता द्वारा पंजाब पुलिस और प्रशासन को घुटने पर ला देने के बाद सामने आया है। उग्रवाद और आतंकवाद विरोधी अभियानों के इतिहास से त्रस्त राज्य वर्तमान में अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। लेकिन अहम सवाल यह है कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान कहां हैं जब उनके राज्य को उनकी सबसे ज्यादा जरूरत है?

तलवारों के साथ प्रदर्शन, थाने पर किया कब्जा

खालिस्तान नेता अमृतपाल सिंह के सैकड़ों समर्थकों ने अपहरण के एक मामले में गिरफ्तार किए गए अपने सहयोगी को छुड़ाने के लिए अजनाला में एक पुलिस स्टेशन पर धावा बोल दिया। अमृतपाल सिंह अभिनेता-कार्यकर्ता दीप सिद्धू द्वारा गठित संगठन वारिस पंजाब डे का प्रमुख हैं। अमृतसर में अजनाला पुलिस स्टेशन के बाहर लगे पुलिस बैरिकेड्स को तोड़ते हुए तलवारों और बंदूकों से लैस सैकड़ों लोगों के बीच पुलिस बैठी हुई बतख की तरह लग रही थी। पथराव में छह पुलिसकर्मी घायल हो गए। एक पखवाड़े में पुलिस पर यह दूसरा हमला है। 8 फरवरी को, सिख कैदियों की रिहाई की मांग कर रहे सशस्त्र प्रदर्शनकारियों के उग्र होने के बाद 33 पुलिसकर्मी घायल हो गए और दर्जनों पुलिस वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। खालिस्तानी तत्वों ने कुछ हथियार और गोला-बारूद भी छीन लिए और पुलिसकर्मियों को मारने की कोशिश की। हमलावरों में कट्टरपंथी नाबालिग लड़के भी शामिल थे। हवा में खालिस्तान समर्थक नारे गूंज रहे हैं। दोनों में से किसी भी घटना में पुलिस ने वॉटर कैनन के अलावा बल प्रयोग करने की हिम्मत नहीं दिखा सकी। पुलिस को खालिस्तानी समर्थक भीड़ के खिलाफ बल प्रयोग करने के लिए राजनीतिक नेतृत्व से कोई आदेश नहीं मिला। खालिस्तानियों द्वारा खुली चुनौती दिए जाने के बावजूद प्रशासन ने उन्हें गिरफ्तार करने का साहस नहीं किया। खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह खुद को जरनैल सिंह भिंडरावाले 2.0 के रूप में फिर से ब्रांड करने की कोशिश कर रहा है। अमृतपाल सिंह ने दोहराया है कि खालिस्तान की भावना बनी रहेगी और कोई इसे दबा नहीं सकता है। एक वीडियो में अमृतसर के एसएसपी को धमकी देता नजर आया कि आपके बच्चे इग्स में हैं ज हम आपका काम कर रहे हैं, और आप लोग हमें धमकी दे रहे हैं। मैं यहां थाने आया हूं, मुझे गिरफ्तार करो। जिस व्यक्ति ने मेरे खिलाफ शिकायत की है वह मानसिक रूप से बीमार है और उसका पीजीआई में इलाज चल रहा है। अमृतपाल सिंह ने कहा कि वह आप के साथ बैठकर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं। क्या इससे यह नहीं पता चलता कि इसके पीछे कोई राजनीतिक मंशा है? पुलिस अमृतपाल सिंह द्वारा प्रस्तुत सबूतों के आधार पर तूफान सिंह को रिहा करने के लिए तैयार हो गई।

स्थिति को बदतर होते देर नहीं लगेगी

खालिस्तान एक्सट्रीमिज्म मॉनिटर द्वारा संकलित आधिकारिक स्रोतों के आधार पर आंकड़ों के अनुसार खालिस्तानी आतंकवादी हिंसा के कारण 38 मौतें हुई हैं। इनमें 35 आम नागरिक और 3 आतंकवादी शामिल थे। खालिस्तान आंदोलन को पुनर्जीवित करने के लिए आईएसआई, पाकिस्तान में स्थित आतंकवादी संगठनों और अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और जर्मनी में स्थित खालिस्तान समर्थक संगठनों के सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद, पंजाब में इसके लिए खड़ा होने वाले की संख्या नगण्य है। हालाँकि, कई कमजोरियाँ सर्वव्यापी हैं और स्थिति को बदतर होने में देर नहीं लगती। उभरते खतरों का मुकाबला करने के लिए पंजाब पुलिस को पुनर्जीवित करने और अत्याधुनिक तकनीक के साथ सीमा सुरक्षा कड़ी करने की आवश्यकता है।

पंजाब में चरमपंथ का इतिहास

पंजाब के माझा क्षेत्र में दमदमी टकसाल से उग्रवाद का सबसे बड़ा चेहरा भिंडरावाले जिसने 15 दिसंबर 1983 को अपने साथियों के साथ स्वर्ण मंदिर के अकाल तख्त पर कब्जा कर लिया। अकाल तख्त का मतलब एक ऐसा सिंहासन था जो अनंतकाल के लिए बना हो। अकाल तख्त से ही भिंडरावाले ने इंदिरा गांधी को चेतावनी दी और कहा कि हम तो माचिस की तीली की तरह हैं ये लकड़ी से बनी है और ठंडी है लेकिन उसे जलाएंगे तो लपटें निकलेंगी। 1 जून 1984 को पंजाब को सेना के हवाले कर दिया गया। फौज के 'विजेता टैंकों' ने मंदिर की बाहरी दीवार तोड़कर ताबड़तोड़ बमबारी की जिससे आतंकियों को काफी नुकसान हुआ। इस अंतिम हमले में शुबेग सिंह, अमरीक सिंह और भिंडरावाले मारे गए। भिंडरावाले की हत्या के महीनों बाद, तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या ऑपरेशन ब्लूस्टार से जुड़े एक प्रतिशोधी हमले में कर दी गई थी। पंजाब उग्रवादी आंदोलन में अपनी कई पीढ़ियों को गंवा चुका है। ऐसे में अशांत राज्य में अलगाववाद की चिंगारियों को हवा देना चिंता का विषय है। इसमें मुख्यमंत्री की सक्रिय भागीदारी और प्रतिबद्धता की जरूरत है। लेकिन मुख्यमंत्री भगवंत मान कार्रवाई में गायब हैं।

भगवंत मान को देना होगा ध्यान

पंजाब में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता प्रताप बाजवा ने पिछले साल नवंबर में शिकायत की थी कि भगवंत मान के चुनाव प्रचार के दौरान पंजाब में कानून-व्यवस्था चरमरा गई। इससे पहले इस साल जनवरी में, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेता के चंद्रशेखर राव द्वारा आयोजित विपक्षी रैली में भाग लेने वाले तीन मुख्यमंत्रियों में से भगवंत मान ही एकमात्र अतिथि थे। अन्य दो दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनके केरल समकक्ष पिनाराई विजयन थे। दरअसल, इस सप्ताह की शुरुआत में खालिस्तानी नेता अमृतपाल सिंह द्वारा दी जा रही धमकियों के बारे में पूछे जाने पर भगवंत मान ने मोहल्ला क्लीनिक सहित आप के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की उपलब्धियों के बारे में बात करके मुद्दे को भटकाने की कोशिश की।

खालिस्तान आंदोलन फिर से उठा रहा है सिर?

गृह मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट 2019-2020 में गैर-कानूनी गतिविधियों (रोकथाम) अधिनियम 1967 के तहत सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) को गैरकानूनी संघ के रूप में घोषित करने के अलावा खालिस्तान आंदोलन का कोई उल्लेख नहीं है। 1 जुलाई 2020 को नौ खालिस्तानियों को औपचारिक रूप से अगस्त 2019 में संशोधित यूएपीए अधिनियम के तहत आतंकवादी के रूप में नामित किया गया था। ऐसे में लागातर खालिस्तानी संगठन की सक्रियता से राज्य में खालिस्तान आंदोलन क्या एक बार फिर से सिर उठाने लगा है? 2021 में प्रकाशित हुई द ट्रिब्यून की एक रिपोर्ट के अनुसार बीएसएफ ने ऐके सीरीज राइफल, पिस्तौल, 3,322 राउंड गोला बारूद और 485 किलोग्राम हेरोइन सहित सभी प्रकार के 34 हथियार बरामद किए थे। हालांकि गिराए गए / बरामद किए गए हथियारों की कुल संख्या के संबंध में कोई आधिकारिक आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी निश्चित रूप से एक संकेतक है कि आतंकी संगठन आईएसआई और पाकिस्तान में खालिस्तानी आतंकवादी संगठन विद्रोह को पुनर्जीवित करने का प्रयास कर रहे हैं।

बिहार से मोदी को हटाने का चलेगा अभियान

» महागठबंधन की महारैली में भाजपा के खिलाफ हुंकार

» 24 लोस चुनाव में नीतिश करेंगे बेड़ापार

» अमित शाह ने की थी सभा

» तेजस्वी-लालू भी ने ताकत झोंकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। अगले साल होने जा रहे लोकसभा चुनाव में बिहार का सीमांचल महत्वपूर्ण केंद्र होगा। इसके संकेत अभी से मिलने लगे हैं। चुनाव के मद्देनजर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने 2022 के आखिर में अपनी पहली सभा पूर्णिया में की थी। अब सात दलों के महागठबंधन की महारैली पूर्णिया में हो रही है। जोर आजमाइश का आलम यह कि पूर्णिया के उसी मैदान में महागठबंधन की रैली हो रही है, जहां अमित शाह की सभा हुई थी। रैली में जुटने वाली भीड़ से यह अनुमान लगेगा कि किसमें कितना है दम।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 23 सितंबर को पूर्णिया के रंगभूमि मैदान में सभा कर लोकसभा चुनाव प्रचार का शंखनाद किया था। उसके बाद वे किशनगंज गए थे। एनडीए से जेडीयू के अलग होने के बाद बीजेपी की यह पहली सभा थी। आज बिहार में तीन रैली है। महागठबंधन, अमित शाह और किसान महापंचायत। महागठबंधन की रैली में सात दल अपनी ताकत आजमा रहे हैं। अमित शाह सीमांचल को साधने के लिए दोबारा पूर्णिया में हुंकार भर रहे हैं। वहीं बिहार सरकार के पूर्व कृषि मंत्री सुधाकर सिंह राकेश टिकैत के जरिए अपनी राजनीति साध रहे हैं।

उस रैली में अमित शाह का भाषण तकरीबन आधे घंटे का था और उनके निशाने पर महागठबंधन की दो बड़ी पार्टियों- आरजेडी व जेडीयू के शीर्ष नेता लालू प्रसाद यादव और नीतीश कुमार रहे थे। उन्होंने कहा था कि सीमांचल में उनकी यात्रा से लालू और नीतीश के पेट में दर्द हो रहा है। वे कह रहे हैं कि सीमांचल में मैं झगड़ा कराऊंगा। शायद यही वजह रही कि महागठबंधन ने भी अपनी पहली चुनावी रैली के श्रीगणेश के लिए पूर्णिया के उसी मैदान को चुना, जहां से अमित शाह ने संबोधित किया था। महागठबंधन ने आज होने वाली रैली की सफलता के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। हालांकि कांग्रेस की भागीदारी बेमन से ही दिख रही है। इसके दो कारण बताये जा रहे हैं। पहला यह कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन के मद्देनजर बिहार के बड़े कांग्रेसी नेता बाहर हैं। दूसरा कारण यह माना जा रहा है कि रैली के प्रचार के लिए जो पोस्टर बने हैं, उसमें कांग्रेस नेताओं को जगह नहीं मिली है। पोस्टर में लालू-नीतीश और तेजस्वी यादव तो प्रमुखता से दिख रहे हैं, लेकिन सोनिया गांधी या राहुल की तस्वीर नहीं है। अपुष्ट जानकारी यह मिल रही है कि जान-बूझ कर ऐसा किया है। महागठबंधन के बड़े नेता यह मान चुके हैं कि कांग्रेस लोकसभा चुनाव में एकला चलने का मन बना चुकी है। इसलिए उसे तरजीह देने का कोई लाभ नहीं होगा। उल्टे लालू ने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर जो प्लान किया है, उसमें राहुल गांधी की बजाय नीतीश कुमार को पीएम फेस के रूप में प्रोजेक्ट करना है। इधर कांग्रेस अपने नेता राहुल गांधी को ही पीएम फेस बनाना चाहती है। इसकी घोषणा कांग्रेस के सीनियर लीडर कमलनाथ ने पहले ही कर दी थी, जब राहुल भारत जोड़ो यात्रा पर निकले थे।

नीतीश को पीएम फेस बनाने का हो सकता है ऐलान

सूचना यह मिल रही है कि आज की रैली में नीतीश कुमार को महागठबंधन अपना पीएम उम्मीदवार घोषित कर सकता है। होली बाद नीतीश विपक्षी पार्टियों के नेताओं से मिलने और उन्हें एकजुट करने के काम में लगेंगे। कांग्रेस को छोड़ महागठबंधन के नेता नीतीश को पीएम फेस बनाने के लिए तैयार हो गये हैं। हालांकि नीतीश कुमार के लिए विपक्षी एकता की कवायद आसान नहीं होगी। फिलहाल विपक्ष चार खेमों में बंटा हुआ है। पहला खेमा कांग्रेस का है, जो अपने उम्मीदवार के साथ चुनाव में अकेले उतरने का मन बना चुकी है। दूसरा खेमा तेलंगाना के सीएम केसी राव का है, जिन्होंने आम आदमी पार्टी और सीपीएम के साथ समाजवादी पार्टी को भी अपने फोल्ड में लाने की कोशिश की है। एक खेमा अभी निर्गुट है, जिसमें पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी और ओडिशा के सीएम नवीन पटनायक हैं। निर्गुट खेमे को बीजेपी के साथ राहुल और नीतीश कुमार भी नापसंद हैं। हालांकि इस खेमे ने अपने पत्ते अभी तक नहीं खोले हैं।

सबकी पसंद बने सीमांचल के चार जिले

बिहार के सीमांचल में पूर्णिया, किशनगंज, अररिया और कटिहार जिले प्रमुख रूप से आते हैं। इन जिलों में मुस्लिम आबादी निर्णायक है। अधिक मुस्लिम आबादी के कारण महागठबंधन को अपना बड़ा जनाधार दिखता है। आमतौर पर यही माना जाता है कि मुसलमान बीजेपी को वोट नहीं देते। ऐसे में मुस्लिम वोटों का एकमात्र ठेकेदार महागठबंधन बनना चाहता है। लोकसभा चुनाव में अगर महागठबंधन को कामयाबी मिलती है तो 2025 के विधानसभा चुनाव में भी महागठबंधन की राह आसान हो जाएगी। महागठबंधन की चिंता असदुद्दीन ओवैसी की पर्टी एआईएमआईएम के इस इलाके में उभार से भी बढ़ी हुई है। 2020 में ओवैसी के 5 विधायक इन्हीं इलाकों से चुने गये थे। हालांकि बाद में इनमें 4 ने आरजेडी ज्वाइन कर लिया था। अगर मुस्लिम वोटों का ध्रुवीकरण होता है तो इसमें बीजेपी अपना लाभ देख रही है। वह हिन्दू वोटों को ध्रुवीकृत करने का प्रयास करेगी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

गिरफ्तारी पर सियासत

मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी के बाद आप और बीजेपी में जबरदस्त वार-पलटवार चल रहा है। दोनों राजनैतिक दल एक दूसरे पर राजनीति करने का भी आरोप लगा रह हैं। आप कह रही है भाजपा की मोदी सरकार आप के बढ़ते जनाधार से घबरा गई और इसी के चलते वह उसके नेताओं को झूठे केस में फंसाकर जेल में डालने की कोशिश कर रही है। सीबीआई ने शराब घोटाले के आरोप में दिल्ली के उपमुख्यमंत्री को गिरफ्तार किया। सीबीआई के आरोपों में कितना दम है यह तो जांच के बाद ही पता चलेगा। पर सिसोदिया की गिरफ्तारी को आप ने प्रतिष्ठा का प्रश्न बना दिया। साथ ही आप ने बीजेपी की मोदी सरकार पर तानाशाही का आरोप लगाया है। प्रथम दृष्टया देखा जाये तो यह एक राजनीतिक घटनाक्रम है। डिप्टी सीएम के साथ मनीष सिसोदिया के पास 18 विभाग हैं। इसमें को शक नहीं कि शिक्षामंत्री के रूप में सिसोदिया ने दिल्ली में बहुत ही सराहनीय काम किया है। पर आबकारी मंत्री के रुप में उन पर आरोप लगा है। एक साधारण परिवार से दिल्ली के डेप्युटी सीएम तक का सफर तय करने वाले सिसोदिया की कहानी काफी रोचक है।

बतौर पत्रकार करियर शुरू कर उन्होंने दिल्ली की राजनीति में बड़ा मुकाम हासिल किया। 5 जनवरी 1972 को उत्तर प्रदेश के हापुड़ सिसोदिया का जन्म एक साधारण परिवार में हुआ था। उन्होंने अपनी शुरुआती पढ़ाई गांव के स्कूल से की थी। इसके बाद आगे की पढ़ाई उन्होंने दिल्ली में पूरी की। उन्होंने पत्रकारिता में भारतीय विद्या भवन से डिप्लोमा किया और बतौर पत्रकार अपने करियर की शुरुआत की। सिसोदिया दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के सबसे भरोसेमंद सहयोगी के तौर पर उभरे थे। जब पहली बार केजरीवाल को अपने डेप्युटी की जिम्मेदारी देने का वक्त आया तो उन्होंने सिसोदिया को ही सबसे पहले चुना। सिसोदिया ने पत्रकारिता की शुरुआत ऑल इंडिया रेडियो के कार्यक्रम जीरो ऑवर को होस्ट के साथ किया था। इसके बाद उन्होंने एक निजी टीवी चैनल में भी काम किया। लेकिन पत्रकारिता में उनका मन ज्यादा नहीं लगा। उन्होंने कुछ अलग रास्ता चुनने का मन बनाया। चूंकि वो एक बेहद ही सामान्य परिवार से आए थे तो उन्होंने आम लोगों के लिए काम करने का मन बनाया था। सिसोदिया ने 2006 में पत्रकारिता का करियर को छोड़ दिया। उन्होंने अरविंद केजरीवाल, के साथ पब्लिक कॉज रिसर्च फाउंडेशन की स्थापना की। इन्होंने फिर परिवर्तन एनजीओ को भी बनाया। 2013 में दिल्ली में सरकार बनाने से पहले सिसोदिया और केजरीवाल इसी एनजीओ के जरिए काम करते थे। इसके जरिए दोनों शख्स राशन, बिजली बिल और सूचना का अधिकार के लिए काम करते थे।

“ पब्लिक कॉज रिसर्च फाउंडेशन एनजीओ के जरिए ही मनीष सिसोदिया और अरविंद केजरीवाल नेता अन्ना हजारे के आंदोलन से जुड़े। फिर आम आदमी पार्टी की स्थापना हुई। इसके बाद दिल्ली में आप का राज भी शुरू हुआ। केस में क्या होगा ये तो कोर्ट की कार्रवाई के बाद पता चलेगा पर सियासत के नाम पर सत्ता पक्ष द्वारा विपक्ष को परेशान करना अनुचित है। नेताओं को सोचना चाहिए कि जनता सब देख रही। जब वह निर्णय लेती है तो अच्छों-अच्छों को आसमान दिखा देती है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कार्बन से ईंधन बनाने की दिशा में बड़ी उम्मीद

मुकुल व्यास

दुनिया में प्लास्टिक प्रदूषण की समस्या लगातार गंभीर रूप ले रही है। दूसरी तरफ कार्बन डाइऑक्साइड और मीथेन जैसी ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन भी बढ़ रहा है। प्लास्टिक कचरा हमारा पर्यावरण खराब कर रहा है जबकि ग्रीनहाउस गैसें पृथ्वी को गर्म कर रही हैं। दुनिया न तो प्लास्टिक का उपयोग कम कर पा रही है और न ही कार्बन का अधिक उत्सर्जन रोक पा रही है। आने वाले समय में यह समस्या बढ़ने वाली है। इसी को ध्यान में रख कर वैज्ञानिक ऐसे उपाय खोज रहे हैं जिनसे प्लास्टिक और कार्बन को उपयोगी उत्पादों में बदला जा सके।

कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के रिसर्चरों ने एक ऐसा सिस्टम विकसित किया है जो सिर्फ सूर्य की ऊर्जा का उपयोग करके प्लास्टिक कचरे और ग्रीनहाउस गैसों को टिकाऊ ईंधन और अन्य मूल्यवान उत्पादों में परिवर्तित कर सकता है। कैम्ब्रिज के रिसर्चरों द्वारा विकसित सिस्टम एक ही समय में दो अपशिष्ट पदार्थों को दो रासायनिक उत्पादों में परिवर्तित कर सकता है। सौर ऊर्जा से संचालित रिएक्टर के उपयोग से पहली बार ऐसा संभव हुआ है। यह रिएक्टर कार्बन डाइऑक्साइड और प्लास्टिक को विभिन्न उत्पादों में परिवर्तित करता है जिनका उपयोग कई उद्योगों में हो सकता है। परीक्षणों के दौरान डाइऑक्साइड को सिनगैस में परिवर्तित किया गया जो टिकाऊ तरल ईंधन के लिए एक प्रमुख निर्माण इकाई है। इन्हीं परीक्षणों के दौरान प्लास्टिक की बोतलों को ग्लाइकोलिक एसिड में परिवर्तित किया गया जिसका उपयोग व्यापक रूप से सौंदर्य प्रसाधन उद्योग में उपयोग किया जाता है। रिएक्टर में प्रयुक्त कैटेलिस्ट (उत्प्रेरक) की किस्म को बदलकर इस सिस्टम को विभिन्न उत्पादों का उत्पादन करने के लिए आसानी से बदला जा सकता है। सौर ऊर्जा के उपयोग से प्लास्टिक और ग्रीनहाउस गैसों को उपयोगी और मूल्यवान उत्पादों में बदलना अधिक टिकाऊ अर्थव्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। रिसर्च पेपर के वरिष्ठ लेखक प्रोफेसर इर्विन राइसनर ने बताया कि सौर ऊर्जा का उपयोग करके कचरे को किसी उपयोगी चीज में बदलना हमारी रिसर्च का एक प्रमुख लक्ष्य है।

उन्होंने कहा कि हम जिन प्लास्टिक वस्तुओं को रिसाइक्लिंग डिब्बों में फेंकते हैं उनमें से कई जला दी जाती हैं या वे लैंडफिल में पहुंच जाती हैं। राइसनर कैम्ब्रिज सर्कुलर प्लास्टिक सेंटर का भी नेतृत्व करते हैं जिसका उद्देश्य व्यावहारिक उपायों के साथ प्लास्टिक कचरे को खत्म करना है।

सौर ऊर्जा से संचालित दूसरी रिसाइक्लिंग तकनीकें भी प्लास्टिक प्रदूषण और वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा को कम करने की उम्मीद जगाती हैं लेकिन अभी तक उन्हें एक ही प्रक्रिया में संयोजित नहीं किया गया है। पेपर के सह-लेखक शुभजीत भट्टाचर्जी का कहना है कि एक ही समय में प्लास्टिक प्रदूषण और ग्रीनहाउस गैसों से निपटने वाली सौर-संचालित टेक्नोलॉजी रिसाइक्लिंग तकनीकों पर आधारित अर्थव्यवस्था के विकास में एक गेम-चेंजर हो सकती है। रिसर्चरों ने एक एकीकृत रिएक्टर विकसित किया है जिसमें प्लास्टिक और ग्रीनहाउस गैसों के लिए दो अलग-अलग कम्पार्टमेंट हैं। यह रिएक्टर पेरोवस्काइट नामक खनिज पर आधारित एक प्रकाश अवशोषक का उपयोग करता है। इस पदार्थ को अगली पीढ़ी के सौर सेलों के लिए सिलिकॉन के एक अच्छे विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। टीम ने विभिन्न उत्प्रेरक तैयार किए, जिन्हें प्रकाश अवशोषक में एकीकृत किया गया। उत्प्रेरक को बदलकर शोधकर्ता अंतिम उत्पाद को बदलने में कामयाब रहे। सामान्य तापमान और दबाव की स्थिति में रिएक्टर के परीक्षणों से पता चला कि रिएक्टर पीईटी प्लास्टिक की बोतलों और कार्बन डाइऑक्साइड को ग्लाइकोलिक एसिड के अलावा कार्बन मोनोऑक्साइड गैस, सिनगैस या फॉर्मेट जैसे विभिन्न कार्बन-आधारित ईंधन में कुशलतापूर्वक परिवर्तित कर सकता है। कैम्ब्रिज द्वारा विकसित रिएक्टर ने इन उत्पादों का उत्पादन ऐसी दर पर किया जो पारंपरिक प्रक्रियाओं की तुलना में बहुत अधिक है। इस अध्ययन के अन्य सह-लेखक डॉ. मोतियार रहमान के अनुसार कार्बन डाइऑक्साइड को दूसरे उत्पाद में बदलने के लिए आम तौर पर बहुत अधिक ऊर्जा की आवश्यकता होती है लेकिन इस सिस्टम को सिर्फ प्रकाश दिखा कर हानिकारक उत्पादों को उपयोगी और टिकाऊ उत्पादों में बदला जा सकता है।

कैम्ब्रिज के रिसर्चर अभी काफी सरल कार्बन-आधारित मॉलिक्यूल बना रहे हैं,लेकिन भविष्य में उनका इरादा उत्प्रेरक को बदलकर अधिक जटिल उत्पाद बनाने का है। रिसर्चरों को उम्मीद है कि अगले पांच वर्षों में रिएक्टर को और विकसित करके ज्यादा जटिल मॉलिक्यूल्स का उत्पादन किया जा सकेगा। उनका कहना है कि सौर ऊर्जा से चलने वाले रिसाइक्लिंग प्लांट विकसित करने के लिए इसी तरह की तकनीकों का इस्तेमाल किया जा सकता है।

संयम से चरित्र निर्माण

श्रीकृष्ण मुदगिल

चरित्र निर्माण में संयम का सबसे महत्वपूर्ण स्थान है। वासना का त्याग ही संयम कहलाता है। वासनाओं को रचनात्मक वृत्तियों में लगाना ही सच्चा संयम है अथवा सब विषयों के प्रति अनास्था रखना ही मन को जीतने का उपाय है और इसी को संयम कहते हैं। गीता में कहा गया है

सदैव वासनात्यागः शमोऽयमिति शब्दितः।
सदृशं चेष्टते स्वस्याः प्रकृतेज्ञनिवानपि।
प्रकृति यान्ति भूतानि निग्रहः कि करिष्यति।

गीता में कहा गया है कि आत्मा से ही आत्मा का उद्धार करो। आत्मा ही आत्मा का बन्धु है, आत्मा ही शत्रु है, आत्मा से ही आत्मा को जीतो। यहां आत्मा अर्थ चरित्र ही है। चरित्र का बल ही आत्मा का बल है। महाभारत में वेद व्यास जी का कथन है— आत्मा पर यदि किसी ने संयम कर लिया है तो मौत भी उसका कुछ भी नहीं बिगाड़ सकती। यथा 'आत्मा संयमितो येन यमस्तस्य करोति किम।' तब आत्मा से उनका अभिप्राय चरित्र से ही था।

जीवन के विशाल समुद्र में हमारी नौकाएं चल रही हैं जब वासनाएं आंधी बनकर आती हैं तो बुद्धि के मस्तूल हमारी नौका को लक्ष्य की ओर ले जाते हैं। वासना प्रायः आंधी बन कर ही आती है, यह सदा अपने असली रूप से बड़ी और रंगीन बन कर आती है। पाप स्वयं रंगीन नहीं होता, हमारी वासनाएं उसे रंगीन बना देती हैं जैसे डूबता हुआ सांझ का सूरज आकाश पर छितरी हुई बादल की धुंधली-धुंधली टुकड़ियों को तरह-तरह के रंग में रंग देता है। उसी तरह हमारी वासना सांसारिक वस्तुओं को तरह-तरह के रंग में रंग देती है। ये वासनाएं हमारे संयमित जीवन में अनेक प्रकार की बाधाएं डालती हैं जो इन बाधाओं को नियंत्रित कर उन पर विजय प्राप्त कर लेता है, उसी का जीवन संयमित जीवन कहा जाता है।

ये वासनाएं ही प्रवृत्तियों का दूसरा रूप है और इन प्रवृत्तियों को अपने वश में करना संयम है। यही चरित्र का मूल मंत्र है। हमारे शास्त्रों में शरीर को रथ कहा गया है, आत्मा सारथी है, इन्द्रियां घोड़े हैं, यदि सारथी आत्मा के वश में इन्द्रियों की प्रवृत्तियां नहीं है तो इन्द्रियों के घोड़े स्वयं जिधर चाहेंगे रथ को ले जाएंगे। जीवन का अर्थ ही गति है, रथ अर्थात् शरीर को तो चलायमान रहना ही है। यह अलग बात है कि ये प्रवृत्तियां आपके संकेत पर चलती है या आप उनके संकेत पर चलते हैं। चार प्रमुख संयम कहे जाते हैं— इन्द्रिय संयम, अर्थ संयम, समय संयम और विचार संयम। इन सब में इन्द्रिय संयम प्रमुख है। इन्द्रिय संयमों में वाणी संयम, जिह्वा संयम है। इनका शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य से सीधा संबंध है। जिह्वा असंयमी हो जाए तो चटोरी हो जाती है। भिन्न-भिन्न स्वादों के लिए लालायित रहती है। इसके असंयमित हो जाने से स्वाद के लोभ में दुष्पाचय भोजन और वह भी अधिक मात्रा में खाया जाने से पाचन तंत्र खराब हो जा जाता है। मनुष्य रोगी हो जाता है और फिर समय से पूर्व अकाल मृत्यु हो जाती है।

यदि वाणी असंयमित हो जाए तो उसमें कर्कशता, कठोरता, मिथ्या भाषण, निन्दा और चुगली आदि दोषों का समावेश हो जाता है और वाणी का असंयम ऐसे दुष्परिणाम उत्पन्न करता है जिससे उसका चरित्र ही दूषित हो जाता है। कामेन्द्रियों का असंयमित होना बड़ा ही घातक परिणाम देता है। इसके अतिवाद से जीवनी शक्ति नष्ट हो जाती है, शरीर पीला पड़ जाता है। मन खोखला हो जाता है, बुद्धि की तीक्ष्णता घट जाती है और धीरे-धीरे शरीर मृत्यु दरवाजे पर पहुंच जाता है। अर्थ संयम का तात्पर्य है जीवन निर्वाह के लिए आवश्यक धन खर्च करना, फिजूलखर्ची तथा दिखावे आदि से बच कर रहना इसका मूल मंत्र है। 'सादा जीवन उच्च विचार'। समय संयम का तात्पर्य है एक भी क्षण व्यर्थ न गवाना। समय के महत्व को पहचानना जो समय की कद्र नहीं करता, उसे पछताना पड़ता है। इसके लिए 'खाली दिमाग शैतान का घर' वाली उक्ति चरितार्थ होती है। विचार संयम का अर्थ है जो जैसा सोचता है वह वैसा ही बन जाता है। अधिकांश व्यक्ति मानसिक असंयम अपनाते हैं और कुकर्मों के गर्त में गिर जाते हैं। जिन्हें उत्कर्ष के मार्ग पर चलना होता है उन्हें सर्वप्रथम अपने विचारों का परिमार्जन करना होता है। चिन्तन में आए कुविचारों का आदि से अन्त तक परिमार्जन करना होता है।

संयम शब्द जितना साधारण हो गया है उसे क्रियात्मक सफलता देना उतना ही कठिन कार्य है। संयमित जीवन जीना किसी के लिए भी सहज नहीं है। बड़े-बड़े संत-महात्मा भी ऐसा नहीं कर सके जो ऐसा कर सके वास्तव में वे ही सच्चे और महान आत्मा कहलाए गए। इस प्रकार के कुछ उदाहरण हमारे समक्ष हैं। राजा जनक उन्हीं में से एक हैं। इसीलिए उनको वैदही (विदेही) नाम से पुकारा गया। वे काम, क्रोध, मद, लोभ, मोह ममता, वासना, तृष्णा आदि सभी कुप्रवृत्तियों से सर्वथा दूर रहे। हनुमान जी भी ऐसे ही एक उदाहरण हैं। हमारी प्रवृत्तियां जब भावनाओं के मिश्रण से तीव्र हो जाती हैं तो वासनाएं भी तीव्र बन जाती हैं। उनका दमन पूर्ण रूप से नहीं हो सकता, बुद्धि द्वारा उन्हें कल्याणकारी दिशाओं में प्रवृत्त किया जा सकता है, उनका संयम किया जा सकता है।

पालक का सेवन

हरी पत्तेदार सब्जियां पौष्टिकता से भरपूर होती हैं। पालक में आयरन का बेहतर स्रोत माना जाता है। विशेषज्ञ पालक खाने की सलाह देते हैं। खून की कमी होने पर पालक के सूप का सेवन लाभकारी होता है। पालक का सेवन वजन घटाने में मदद कर सकता है। ऐसा इसलिए संभव हो सकता है, क्योंकि पालक में वजन घटाने संबंधित गुण पाए जाते हैं। दरअसल, वजन घटाने के लिए सबसे जरूरी है कि आप कैलोरी की कम मात्रा का सेवन करें। पालक एक कम कैलोरी वाला खाद्य पदार्थ है, जिसे आहार में शामिल कर आप अपने बढ़ते वजन को नियंत्रित करने का काम कर सकते हैं। एक अन्य वैज्ञानिक अध्ययन के अनुसार यह बताया गया कि पालक का सेवन स्वस्थ वजन बनाए रखने के लिए भी किया जा सकता है।

सेब और चुकंदर के जूस का सेवन

स्वास्थ्य विशेषज्ञ के मुताबिक, सेब और चुकंदर का सेवन शरीर में रक्त की कमी को पूरा कर सकता है। एक कप सेब और आधा कप चुकंदर का रस रोजाना पीने से खून में हीमोग्लोबिन की मात्रा बढ़ने लगती है। चाहें तो केवल चुकंदर का जूस का ही सेवन कर सकते हैं, ये खून की कमी की समस्या को दूर कर सकता है।

घरेलू उपाय से एनीमिया को करें दूर

शरीर में खून की कमी होना इन दिनों आम समस्या हो गई है। खून की कमी को एनीमिया कहा जाता है। जब रक्त हीमोग्लोबिन की मात्रा से कम हो जाता है, तो एनीमिया की स्थिति बन जाती है। भारत की महिलाओं में एनीमिया की शिकायत आम समस्या है। सामान्य तौर पर महिलाओं के रक्त में 12 से 16 ग्राम प्रति डीएल हीमोग्लोबिन की मात्रा होती है। वहीं पुरुषों में 14 से 18 ग्राम प्रति डीएल हीमोग्लोबिन पाया जाता है। शरीर में जब इससे कम मात्रा हो जाती है, तो एनीमिया का संकेत माना जाता है। जो लोग एनीमिया से पीड़ित होते हैं उन्हें भूख नहीं लगती, कमजोरी होने लगती है और दिल की धड़कनों के कम होने की समस्या होने लगती है। लोगों में एनीमिया की शिकायत अधिकतर पीलिया, बवासीर, किसी दुर्घटना में अधिक खून बह जाने के कारण और महिलाओं को प्रसव के दौरान हो सकती है। अगर आप भी एनीमिया की शिकायत से पीड़ित हैं तो कुछ घरेलू उपायों से खून की कमी से बच सकते हैं।

दूध और तिल का सेवन

एनीमिया की शिकायत है तो काले तिल को दूध के साथ पीएं। इसके लिए काले तिल को दो घंटे के लिए भिगो दें। उसके बाद तिल का पेस्ट बना लें। एक चम्मच तिल के पेस्ट में शहद और दूध मिलाकर सेवन करें। इससे खून की समस्या दूर होती है। काले तिल का दूध पीने से कैल्शियम और जिंक की कमी पूरी हो सकती है। इसके सेवन से हड्डियों को मजबूती मिलती है और ऑस्टियोपोरोसिस (एक प्रकार की बीमारी जिसमें हड्डियां कमजोर हो जाती हैं) जैसी बीमारी से बचाव होता है। डायबिटीज से प्रभावित लोगों के लिए काले तिल का दूध बहुत लाभदायक है। जैसा कि आप जानते हैं, काले तिल का इस्तेमाल शुगर की बीमारी में किया जाता है। काले तिल में एंटी-डायबिटिक गुण होते हैं जो शुगर के स्तर को कम करने में सहायक होते हैं। काले तिल का दूध हृदय स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है। इसके सेवन से कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम और नियंत्रित किया जा सकता है।

किशमिश

खून की कमी को दूर करने के लिए किशमिश और सूखे आलूबुखारे को भी अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। यह आयरन के बेहतरीन स्त्रोत होता है। किशमिश में कैलोरी की मात्रा अधिक होती है, जो वजन बढ़ाने में मदद करती है। इसके अलावा, इसमें नेचुरल शुगर और कार्बोहाइड्रेट्स भी होते हैं, जो वजन बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।

हंसना मना है

भक्त: बाबा पढ़ा लिखा हूं पर नौकरी नहीं मिलती क्या करूं? बाबा: कहां तक पढ़े हो? भक्त : बाबा मैने बीए किया है! बाबा: एक बार और बीए कर लो, दो बार करने से बाबा बन जाओगे फिर तुम्हे नौकरी की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

पति-पत्नी में झगड़ा हो रहा था। पत्नी: मैं पूरा घर संभालती हूं किचन संभालती हूं, बच्चों को संभालती हूं तुम क्या करते हो ? पति- मैं खुद को संभालता हूं, तुम्हारी नशीली आंखें देखकर, पत्नी: आप भी ना, चलो बताओ आज क्या बनाऊं आपकी पसंद का।

पप्पू लड़की देखने गया, पप्पू: कितने तक पढ़ी हो, लड़की: बीए तक। पप्पू ने शादी से मना कर दिया और बोला, दो अक्षर पढ़ें हैं वो भी उल्टे।

एक रात एक घर में चोर घुस आया। खटपट सुनकर मालिक की आंख खुल गई। मालिक: कौन है? चोर: म्याऊं। मालिक: कौन है? चोर: म्याऊं। मालिक: कौन है? चोर: अबे बिल्ली हूं बिल्ली।

टीचर: पानी में रहने वाले 5 जानवरों के नाम बताओ? पप्पू: मेंड़क, टीचर: गुड, बाकी चार बोलो.. पप्पू: उसकी मां, उसका बाप, उसकी बहन और उसका भाई! पप्पू की बात सुनकर टीचर गुस्से से लाल पीली हो गई।

कहानी — सुनहरा गोबर

एक बार की बात है, किसी शहर में एक बड़े से पेड़ पर एक पक्षी रहता था, जिसका नाम था सिन्धुक। सबसे चौंकाने वाली बात यह थी कि उस पक्षी का मल सोने में बदल जाता था। यह बात किसी को भी पता नहीं थी। एक बार उस पेड़ के नीचे से एक शिकारी गुजर रहा था। शिकारी उस पेड़ के नीचे आराम करने के लिए ठहरा। वो आराम कर ही रहा था कि इतने में सिन्धुक पक्षी ने उसके सामने मल त्याग कर दिया। जैसे ही पक्षी का मल जमीन पर पड़ा, वो सोने में बदल गया। यह देखते ही शिकारी बहुत खुश हुआ और उसने उस पक्षी को पकड़ने के लिए जाल बिछाया। सिन्धुक जाल में फंस गया और शिकारी उसे अपने घर ले आया। पिंजरें में बंद सिन्धुक को देख शिकारी को चिंता सताने लगी कि अगर राजा को इस बारे में पता चला, तो वो न सिर्फ सिन्धुक को दरबार में पेश करने को कहेंगे बल्कि मुझे भी सजा देंगे। यह सोचकर, डर के मारे शिकारी ने खुद ही सिन्धुक को राज दरबार में पेश कर राजा को सारी बात बताई। राजा ने आदेश दिया कि सिन्धुक को सावधानी से रखा जाए और उसे अच्छे से खाना खिलाया जाए। ये सब सुनने के बाद मंत्री ने राजा को कहा कि आप इस बेवकूफ शिकारी की बात पर भरोसा मत कीजिये। कभी ऐसा होता है क्या कि कोई पक्षी सोने का मल त्याग करे। इसलिए, अच्छा होगा कि इसे आजाद करने का आदेश दें। मंत्री की बात सुनकर राजा ने चिड़िया को आजाद करने का आदेश दिया। सिन्धुक उड़ते-उड़ते राजा के दरवाजे पर सोने का मल त्याग करके गया। यह देखते ही राजा ने मंत्रियों को उसे पकड़ने का आदेश दिया, लेकिन तब तक वो पक्षी उड़ चुका था। उड़ते-उड़ते सिन्धुक कह गया कि मैं बेवकूफ था, जो शिकारी के सामने मल त्याग किया, शिकारी बेवकूफ था, जो मुझे राजा के पास ले गया, राजा बेवकूफ था, जो मंत्री की बात में आ गया। सभी बेवकूफ एक जगह ही हैं।

कहानी से सीख: कभी भी दूसरे की बातों में नहीं आना चाहिए और अपने दिमाग से काम लेना चाहिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज परिवार के साथ घूमने का प्लान बना सकते हैं। परिवार के सदस्यों के साथ टाइम स्पेंड करने से सबके बीच अंडरस्टैंडिंग बनेगी। किसी सहकर्मी से आपकी दोस्ती हो सकती है।

वृषभ

आज व्यवसाय में हड़बड़ी में लिया गया कोई फैसला आपको नुकसान पहुंचा सकता है। कार्यक्षेत्र में अनुकुल परिस्थितियां बनेंगी। मान -सम्मान में वृद्धि होगी।

मिथुन

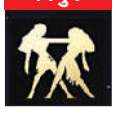

नौकरी और व्यवसाय के लिए आज अच्छा समय है। आपको आपकी उपलब्धियों के अनुसार उचित परितोष प्राप्त हो सकता है। पारिवारिक जीवन सामंजस्यपूर्ण रहेगा।

कर्क

आज उम्मीद के अनुसार परिवार से मदद नहीं मिल पायेगी, जिससे आपके कुछ काम देरी से पूरे हो पायेंगे। लेकिन ऑफिस में स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह

आज आप लेन-देन के मामले को लेकर परेशान रह सकते हैं। परिवार के सदस्यों से झगड़ा करने से बचें। मन धर्म की ओर आकर्षित होगा। अध्यात्म में रुचि रहेगी।

कन्या

किस्मत आपके पक्ष में है, किन्तु वाहन चलाते समय आपको सावधानी बरतने की आवश्कता है। यदि संभव हो तो रात में वाहन ना चलाएं।

तुला

आज माता-पिता की सलाह आपके लिए कारगर साबित हो सकती है। संतान की ओर से कुछ खास समाचार मिल सकता है। लवमेट के साथ रिश्ते बेहतर रहेंगे।

वृश्चिक

आज एक ही दिशा में की गई मेहनत से बेहतर परिणाम मिल सकेंगे। आज लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का अंत हो सकता है।

धनु

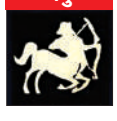

आज कठिन मुद्दों से निपटते समय भाग्य आपके पक्ष में होगा। यदि व्यवसाय का विस्तार करना चाहते हैं, तो यह एक नए गठबंधन में प्रवेश करने के लिए यह अच्छा समय है।

मकर

आज एक तरफा सोच आपको परेशानी में डाल सकती है। आज आप किसी काम में बहुत ज्यादा व्यस्त हो सकते हैं। आपको कुछ समय परिवार के लिये जरूर निकालना चाहिए।

कुम्भ

आज प्रात:काल के समय आपका मन क्रोधित रहेगा। व्यर्थ धन का व्यय होगा। यदि कोई गुमराह हो रहा है, तो आप उस पर नजर रख सकते हैं लेकिन ऐसा छुपकर करना होगा।

मीन

आज कोई शुभ समाचार मिलने के योग नजर आ रहे हैं। आज किसी पुराने मित्र से मुलाकात की संभावना है, जिससे आपको भविष्य में बड़े फायदे हो सकते हैं।

रणबीर-श्रद्धा के ठुमके से हिट होगी 'तू झूठी मैं मक्कार'

रणबीर कपूर के पक्के वाले फैन्स बड़ी बेसब्री से उन्हें फिर से एक प्रॉपर रोमांटिक किरदार में देखने का इंतजार कर रहे थे। उनका ये इंतजार अब जल्द ही पूरा होने जा रहा है। प्यार का पंचनामा जैसी पॉपुलर रोमांटिक-कॉमेडी फिल्में बना चुके लव रंजन की फिल्म तू झूठी मैं मक्कार में रणबीर लीड रोल में हैं। फिल्म में उनके साथ श्रद्धा कपूर फीमेल लीड हैं।

तू झूठी मैं मक्कार का नया गाना शो मी द ठुमका कुछ ही दिन पहले आया है और काफी पसंद किया जा रहा है। प्रीतम के कम्पोज किए इस गाने में देसी बीट्स, अमिताभ भट्टाचार्य के चटपटे लिरिक्स और रणबीर-श्रद्धा के जानदार डांस का कॉम्बो जोरदार है। लॉकडाउन के बाद से वैसे तो फिल्मों के चलने का अनुमान लगाना ऑलमोस्ट नामुमकिन हो चुका है, लेकिन फिर भी जो एक थर्मामीटर थोड़ा-बहुत काम कर रहा है उसके हिसाब से देखें तो तू झूठी मैं मक्कार के गाने फिल्म को हिट करवाने का पूरा दम रखते हैं। रोमांटिक कॉमेडी बॉलीवुड के लिए एक हमेशा चलने वाला फॉर्मूला रहा है, लेकिन पिछले एक-डेढ़ साल में अधिकतर सीरियस टाइप या फिर एक्शन फिल्में ही आई हैं। लॉकडाउन के बाद से सूर्यवंशी गंगूबाई काठियावाड़ी द कश्मीर फाइल्स और दृश्यम 2 जैसी फिल्में ही चली हैं। भूल भुलैया 2 एक बेहद पॉपुलर फिल्म का सीक्वल थी और इससे कॉमेडी की उम्मीद लेकर जनता थिएटर्स पहुंची।

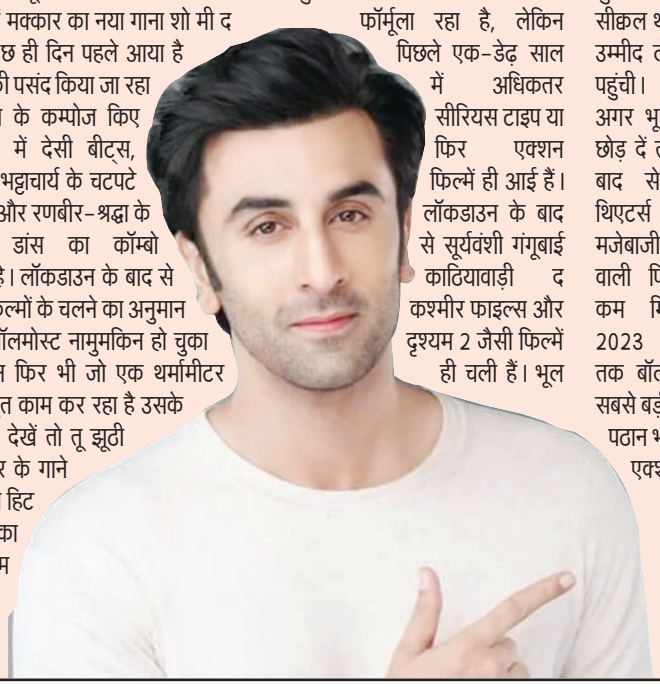

अगर भूल भुलैया 2 को छोड़ दें तो लॉकडाउन के बाद से जनता को थिएटर्स में फन, मजेबाजी और कॉमेडी वाली फिल्में बहुत कम मिली हैं। 2023 में अभी तक बॉलीवुड की सबसे बड़ी फिल्म पठान भी एक एक्शन फिल्म थी। ऐसे में तू झूठी मैं मक्कार जनता को हल्के-फुल्के ह्यूमर के साथ एंटरटेनमेंट का परफेक्ट डोज दे सकती है। फिल्म के ट्रेलर में यही बात नजर आई

तू झूठी मैं मक्कार उन फिल्मों में से एक है जिनके शूट के टाइम से ही बहुत जोरदार चर्चा नहीं बनी। ब्रह्मास्त्र की कामयाबी के माहौल के बीच ये फिल्म बनकर तैयार हुई। मगर 23 जनवरी को जब तू झूठी मैं मक्कार का ट्रेलर रिलीज हुआ तो इसे अच्छा खासा रिस्पॉन्स मिला।

दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड वापस करेंगी निकिता घाघ

निकिता घाघ ने हाल ही में दादा साहेब फाल्के इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल अवॉर्ड को फेक बताया है। निकिता घाघ को पिछले साल इस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था अब मॉडल ने इस अवॉर्ड को लौटाने का ऐलान कर दिया है। निकिता ने सेलेब्स से भी इस अवॉर्ड को लौटाने की अपील की है। वजह जान आप भी दंग रह जाएंगे।

साल 2022 में निकिता घाघ को दादा साहेब फाल्के इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल अवॉर्ड दिया गया। पशु अधिकारों के हक में काम करने पर ये अवॉर्ड उन्हें दिया गया था। निकिता ने अब अवॉर्ड शोज को गोरखधंधा बताया है। निकिता के अनुसार इसका पर्दाफाश होना बेहद जरूरी है। निकिता घाघ कई सालों से एनजीओ दावा इंडिया का संचालन कर रही हैं और पशुओं की देखभाल करती हैं। सालों से चल रहे दादा साहेब फाल्के इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल अवॉर्ड का इस साल भी आयोजन हुआ। इस फंक्शन में आलिया भट्ट को बेस्ट एक्ट्रेस, रणबीर कपूर को बेस्ट एक्टर और द कश्मीर फाइल्स को बेस्ट फिल्म का अवॉर्ड दिया गया।इसके अलावा ऋषभ शेट्टी, वरुण धवन, आर। बाल्की और आरआरआर को भी कई सम्मान दिए गए। एख वेबसाइट से बात करते हुए निकिता ने बताया कि दादा साहेब के नाम से ये नकली अवॉर्ड चलाया जा रहा है। निकिता घाघ ने आलिया भट्ट और रणबीर कपूर से भी इस अवॉर्ड को लौटाने की बात कही है। निकिता का कहना है कि कलाकारों को इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि भारत सरकार भी दादा साहेब फाल्के के नाम से राष्ट्रीय पुरस्कार देती है।

बॉलीवुड | मन की बात

साउथ की फिल्में हिंदी की तुलना में बेदाग होती हैं : नसीरुद्दीन शाह

नसीरुद्दीन शाह इन दिनों अपनी अपकमिंग वेब सीरीज ताज डिवाइडेड बाय ब्लड के प्रमोशन में बिजी हैं। इस दौरान उन्होंने हिंदी और साउथ फिल्मों के बीच तुलना पर बात की। उनका कहना है कि हिंदी की तुलना में साउथ वाले फिल्म बनाते समय काफी मेहनत करते हैं। नसीरुद्दीन के मुताबिक, साउथ की फिल्में भले देखने में कैसी भी हों, लेकिन उनका काम हमेशा बेहतर और बेदाग होता है। उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा है कि हिंदी फिल्मों ने हमेशा सभी धर्मों का मजाक बनाया है। नसीरुद्दीन शाह का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें उनका कहना है कि हिंदी फिल्में अभी भी उसी दकियानूसी स्वभाव पर टिकी हैं। उन्होंने कहा, हिंदी फिल्मों में हमेशा सिख, ईसाई और पारसी धर्म के लोगों का मजाक बनाया जाता है। दूसरों के दुख पर हंसना एक राष्ट्रीय रिवाज बन गया है। हमारा कोई मजाक बनाता है तो हमें दुख होता है, लेकिन हम दूसरों का मजाक बनाते समय बिल्कुल नहीं सोचते। हम 100 सालों से फिल्में बना रहे हैं, और इन 100 सालों में वहीं फिल्में बनाते हैं जिसमें दूसरों के धर्म का मजाक बनाया जा रहा हो। नसीरुद्दीन शाह के मुताबिक, तमिल कन्नड़, मलयालम और तेलुगु इंडस्ट्री की फिल्में हिंदी फिल्मों की तुलना में अधिक रिलेटेबल होती है। गौरतलब है कि हाल के सालों में आमिर खान और अक्षय कुमार जैसे बड़े बॉलीवुड स्टार्स की फिल्में कांतारा जैसी साउथ की छोटी बजट की फिल्मों से पीछे रह गई हैं। आरआरआर और केजीएफ 2 ने बॉलीवुड फिल्मों को आईना दिखा गया है। नसीरुद्दीन शाह ने मुगलों को आक्रमणकारी और विनाशकारी बताए जाने वाली बात पर भी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा, मुगल यहां लूटपाट करने नहीं आए थे। वे इसे अपना घर बनाने के लिए यहां आए थे और उन्होंने वही किया। उनके योगदान को कैसे भूला जा सकता है। हम लाल किले को इतने सम्मान के नजरिए से क्यों देखते हैं जबकि बनवाया तो उसे एक मुगल ने ही था। हमें बार-बार उन्हें बदनाम नहीं करना चाहिए।

2400 साल पुराना है फ्लश करने वाला टॉयलेट

पंचायत वेब सीरीज देखी है आपने। पंचायत वेब सीरीज में 'देख रहे हो न विनोद' वाला डायलॉग तो खूब वायरल हुआ ही था। तो अगर आपने वेब सीरीज नहीं देखी हो फिर भी इस डायलॉग के मीम या वीडियो क्लिप से जरूर आपका राब्ता पड़ा होगा। अब याद कीजिए जरा कि विनोद वाला कैरेक्टर पंचायत सीरीज में किस बात से परेशान है। चलिए हम हीं बता देते हैं। भाई, उसे टॉयलेट फिट कराना था अपने घर में। और ये कोई मजाक वाली बात नहीं है बल्कि आज भी सरकार खुले में शौच से मुक्त इलाकों को प्रोत्साहन दे रही है और योजना को सफल बनाने के लिए संघर्ष कर रही है। अब आप सोच रहे होंगे कि भला टॉयलेट पर हम इतनी बात क्यों कर रहे हैं। जरा सोचिए जिस टॉयलेट को लेकर आज भी आम लोग और सरकार परेशान है, उसका अविष्कार कब हुआ होगा। और सिर्फ टॉयलेट ही क्यों, ऐसा टॉयलेट जिसे फ्लश किया जा सके, वो पहली बार कब बना होगा। आप कहेंगे कि ये तो आधुनिक दुनिया की चीज है। पुराने जमाने में तो टॉयलेट नाम की चीज ही नहीं होती थी। तो आइए इसका जवाब हम बताते हैं आपको। दरअसल चीन में एक जगह की खुदाई के दौरान 2400 साल पुराने एक फ्लश करने लायक टॉयलेट की खोज हुई है। जी हां, खा गए न चक्कर। ये बिल्कुल सही बात है। माना जा रहा है कि इस टॉयलेट का इस्तेमाल चीन के किन राजवंश के राजाओं द्वारा किया गया था। यूयांग नाम की जगह पर एक राजमहल के अवशेष की खुदाई से प्राप्त हुआ है। यूयांग की खुदाई का कार्य 2012 में शुरू हुआ था। विशेषज्ञों की मानें तो हो सकता है कि यूयांग में राजा जियागोंग ने इस टॉयलेट का इस्तेमाल किया होगा। जियागोंग ने 381 ई.पू. से लेकर 324 ई. पू. तक शासन किया था। हालांकि खुदाई में फ्लश करने लायक इस टॉयलेट का आधा हिस्सा नहीं मिला है इस वजह से अभी बहुत सी बातों का पूरा पता लगाना संभव नहीं हो सका है। पर इतना तय है कि यह अब तक फ्लश करने वाले टॉयलेट का चीन में सबसे पुराना अवशेष है। अबतक माना जाता रहा है कि फ्लश करने लायक टॉयलेट की खोज 16वीं शताब्दी में सर जॉन हैरिंग्टन ने की थी।

अजब-गजब | अनोखा है इस मंदिर के निर्माण का तरीका

सदियों से पहाड़ से लटका हुआ है ये मंदिर

दुनियाभर में तमाम रहस्यमयी इमारतें हैं। जो अपनी-अपनी बनावट के लिए जानी जाती है। इन्हीं में से कुछ मंदिर भी हैं जो पहाड़ों पर बसे हैं सदियों से प्राकृतिक मार झेलने के बावजूद भी आज तक सुरक्षित हैं। इन्हीं मंदिरों में से एक है पहाड़ पर लटका हुआ मंदिर। ये मंदिर सैकड़ों साल से दुनियाभर के लिए रहस्य बना हुआ है। चीन के शांझी में हेंग माउंटेन पर बसा ये मंदिर लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। इस मंदिर को हैंगिंग मॉनेस्ट्री के नाम से भी जाना जाता है।

ऐसा माना जाता है कि ये मंदिर 1500 साल पहले बनाया गया था। इस मंदिर का निर्माण यहां पर उसे बाढ़ से सुरक्षित रखने के लिए किया गया था। इस मंदिर के सबसे पास दटोंग नाम का एक शहर है, जो उत्तर-पश्चिम में करीब 65 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

युन्नांग ग्रोत्टेस के साथ-साथ हैंगिंग टेंपल भी दटोंग शहर की ऐतिहासिक जगहों में से एक है। यह मंदिर केवल अपने स्थान ही नहीं बल्कि तीन चीनी पारंपरिक धर्म बुद्ध, ताओ और कंफुशिवाद के मिलाप के लिए भी जाना जाता है। इस मंदिर की संरचना को ओक क्रॉसबीम्स में फिट किया गया है। इस मंदिर की मुख्य सहायक संरचना आधार स्तम्भ के भीतर छिपी हुई है। यह मठ छोटे

कैनियन बेसिन में बना हुआ है और इमारत के शरीर प्रमुख शिखर सम्मेलन के तहत चट्टान के बीच से लटका हुआ है। बताया जाता है कि इस मंदिर के निर्माण कार्य की शुरुआत उत्तरी वेई साम्राज्य के अंत में लिओं रैन नाम के एक शख्स ने कराई थी। यही नहीं ये मंदिर चाइनीज आर्किटेक्चर का अध्ययन करने वाले लोगों के लिए ये एक प्रमुख जगह है। इस मंदिर के करीब 40 अलग-अलग हॉल हैं जो एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। इस मंदिर तक पहुंचने के लिए पर्यटकों को लकड़ी और लोहे की सीढ़ियों का सहारा लेना पड़ता है। इस मंदिर को देखने के लिए एशिया के कई देशों के अलावा यूरोप से भी पर्यटक यहां पहुंचते हैं। इस मंदिर तक पहुंचने के लिए पर्यटकों को लकड़ी और लोहे की सीढ़ियों का सहारा लेना पड़ता है। इस मंदिर को देखने के लिए एशिया के कई देशों के अलावा यूरोप से भी पर्यटक यहां पहुंचते हैं।

कश्मीरी पंडितों ने की एलजी पद से मनोज सिन्हा को हटाने की मांग

कहा, आतंकवादियों और उनके समर्थकों के खिलाफ अभियान शुरू करने में विफल रहे सिन्हा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। टारगेट किलिंग से नाराज पंडितों ने जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा को हटाने की मांग की है। एक बार फिर घाटी दहल उठी है। कश्मीरी पंडित की हत्या के बाद हिंदुओं में गुस्सा है। कश्मीरी पंडित संघर्ष समिति (केपीएसएस) ने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री से मांग की है कि जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा को हटाया जाए।

समिति का कहना है कि मनोज सिन्हा पंडितों की लक्षित हत्या को रोकने, आतंकवादियों और उनके समर्थकों के खिलाफ अभियान शुरू करने में विफल रहे हैं। केपीएसएस ने कहा कि 5 अगस्त, 2019 के बाद जब से जम्मू-कश्मीर की विशेष स्थिति को रद्द कर दिया गया है घाटी में स्थिति बद से बदतर हो गई है। खासकर कश्मीरी पंडितों और कश्मीर में हिंदुओं की आजीविका और अस्तित्व को लेकर संकट है। केपीएसएस प्रधानमंत्री और गृहमंत्री से अनुरोध करता है कि वे अपने व्यक्तिगत

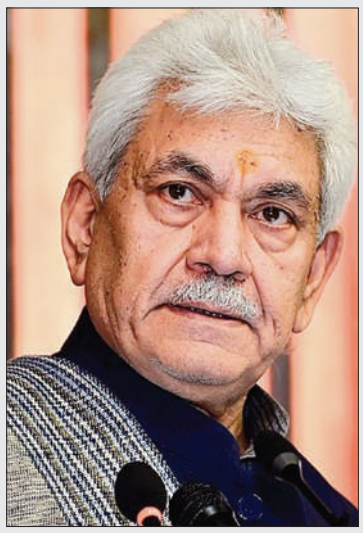

अजेंडे और आत्म-दंभ को आराम दें और इस मुद्दे को गंभीरता से लें। कश्मीरी पंडितों को कुछ निहित अजेंडे और प्रतिशोध के लिए आतंकवादियों ने कश्मीरी पंडितों को मारने की अनुमति देने के लिए उपराज्यपाल जम्मू-कश्मीर के तत्काल को बदलें।

कश्मीरी पंडित का हत्यारा आतंकी ढेर, दो जवान घायल

जम्मू। कश्मीर घाटी के अवंतीपोरा में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने एक आतंकवादी मार गिराया। मारा गया दहशतगर्द हाल ही में पुलवामा में मारे कश्मीरी पंडित संजय शर्मा की हत्या में शामिल था। एडीजीपी कश्मीर विजय कुमार ने बताया कि मारे गए आतंकवादी की पहचान पुलवामा के आकिब मुस्ताक भट के रूप में हुई है। उसने शुरुआत में हिजबुल मुजाहिदीन उग्रवादी संगठन के लिए काम किया। अभी वह टीआरएफ आतंकी संगठन के साथ काम कर रहा था। एडीजीपी ने बताया कि आतंकी आकिब दिवंगत संजय शर्मा की हत्या में शामिल था। उधर, अवंतीपोरा मुठभेड़ में दो जवान भी घायल हुए, जिन्हें इलाज के लिए तुरंत अस्पताल ले जाया गया है।

कश्मीरी पंडितों की रक्षा करने में विफल रही केंद्र सरकार : महबूबा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुलवामा। पुलवामा जिले में बैंक एटीएम गार्ड की हत्या पर जम्मू-कश्मीर के विपक्षी नेताओं ने बीजेपी पर जमकर हमला बोला है। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा है कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार कश्मीरी पंडितों की रक्षा करने में विफल रही है। कुछ दिन पहले राजस्थान में दो मुसलमानों की हत्या कर दी गई थी। आज एक हिंदू को मार डाला। आपमें और उनमें क्या अंतर है? उधर गुलाम नबी आजाद, संयोजक डीपीएपी ने कहा है कि कोई भी हत्या, विशेष रूप से लक्षित हत्या, गंभीर चिंता का विषय है और निंदनीय है। हम इसकी निंदा करते हैं। वहीं नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा कि बेहद दुखी

हूं, संजय एक बैंक सुरक्षा गार्ड के रूप में काम कर रहे थे और रविवार सुबह एक आतंकी हमले में मारे गए। मैं इस हमले की स्पष्ट रूप से निंदा करता हूं और उनके प्रियजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं भेजता हूं।

प्रदेश सरकार ने आठ प्रशासनिक अफसरों को किया स्थानांतरित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने मगंलवार को 8 वरिष्ठ पीसीएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। तबादलों की इस लिस्ट में आजमगढ़ के मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला को अपर निदेशक सीडा, लखनऊ के पद पर भेजा गया है। बरेली के नगर मजिस्ट्रेट राकेश कुमार गुप्ता को प्रतापगढ़ का मुख्य राजस्व अधिकारी, प्रयागराज की उप जिलाधिकारी रेनू सिंह को बरेली का नगर मजिस्ट्रेट बनाया गया है। मिर्जापुर के नगर मजिस्ट्रेट विनय कुमार सिंह- II को हापुड़ का अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) के पद पर भेजा गया है, जबकि बलरामपुर के उप जिलाधिकारी मंगलेश दुबे को मिर्जापुर का नगर मजिस्ट्रेट बनाया गया है।

इससे पहले सरकार ने सोमवार को 14 आईएएस अधिकारियों के तबादले किए। जिनमें प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग नरेंद्र भूषण को प्रमुख सचिव अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास और आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग की जिम्मेदारी दी गई। नोएडा, सुल्तानपुर, जौनपुर और बलिया के जिलाधिकारी भी बदल गए। मुख्य सचिव के स्टाफ ऑफिसर राजेश कुमार को प्रभारी आयुक्त निदेशक उद्योग की भी जिम्मेदारी दी गई है। गौतमबुद्ध नगर डीएम सुहास अलवाई को सचिव खेल कूद व महानिदेशक युवा कल्याण बनाया गया है। जौनपुर के डीएम मनीष वर्मा को गौतमबुद्ध नगर का डीएम बनाया गया। शामली की जिलाधिकारी जसजीत कौर को सुल्तानपुर का डीएम बनाया गया है। सुल्तानपुर के जिलाधिकारी रवीश गुप्ता को अपर महानिदेशक स्टांप रजिस्ट्रेशन बनाया गया है। यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण के एसीयू रविंद्र सिंह को शामली का जिलाधिकारी बनाया गया।विशेष सचिव चिकित्सा शिक्षा संतोष कुमार को मुख्य विकास अधिकारी महाराजगंज, मुख्य विकास अधिकारी सीतापुर अक्षत वर्मा को मुख्य विकास अधिकारी प्रयागराज तथा प्रतीक्षारत प्रणय सिंह को अपर आयुक्त प्रशासन गन्ना की जिम्मेदारी दी गई है।

18 साल का हिसाब दें सीएम शिवराज सिंह : कमलनाथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। पूर्व सीएम कमलनाथ की अध्यक्षता में कांग्रेस विधायक दल की बैठक में फैसला लिया गया है कि वह सदन में बीजेपी के 18 साल के शासन का हिसाब मांगेंगे। ज्ञात हो कि एमपी विधानसभा का बजट सत्र शुरू हो गया है। कांग्रेस ने बजट सत्र के दौरान सरकार को घेरने की रणनीति बनाई है।

कमलनाथ ने पार्टी विधायकों से कहा कि शिवराज सिंह चौहान लगातार झूठी घोषणाएं कर रहे हैं लेकिन यह नहीं बताते कि इन घोषणाओं पर अमल क्यों नहीं कर रहे हैं। पिछले 20 दिन में शिवराज सिंह चौहान ने 12000 करोड़ की योजनाओं की घोषणा कर दी है। पूर्व सीएम कमलनाथ ने कहा कि इन घोषणा को अमल में लाने के लिए बजट का कोई प्रावधान नहीं है। इसी

कहा, झूठी घोषणाएं कर रहे हैं मुख्यमंत्री

अवधि में सरकार ने 10000 करोड़ से ज्यादा का कर्ज ले लिया है। पूर्व वित्त मंत्री तरुण भनोट ने विधायक दल की बैठक के बाद कहा कि शिवराज सरकार के इस अंतिम बजट सत्र में उनके पूरे कार्यकाल का हिसाब लिया जाएगा। शिवराज सरकार ने कमलनाथ सरकार के दौरान चालू की गई, जन कल्याण की योजनाएं बंद कर दी हैं। आदिवासी, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, महिलाओं और बेरोजगारों के लिए कमलनाथ सरकार में जो काम किए गए थे, उन्हें शिवराज सरकार ने बंद कर दिया। उन्होंने पूछा कि इस बार मध्यप्रदेश सरकार विधायकों को टैबलेट में बजट उपलब्ध करा रही है। लेकिन हमारा सवाल यह है कि शिवराज सरकार के पास ऐसी कौन सी टैबलेट है, जिससे वे मध्य प्रदेश की जनता को राहत पहुंचाएंगे।

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि शिवराज सरकार में मध्यप्रदेश बेरोजगारी में नंबर वन, महिला उत्पीड़न में नंबर वन, आदिवासी अत्याचार में नंबर वन और पूरे देश में कर्ज लेने में नंबर वन राज्य बनता जा रहा है। मध्य प्रदेश को इस तरह विकास के हर पैमाने पर पीछे करने के पीछे शिवराज सिंह चौहान और बीजेपी की क्या मंशा है?

कोच की बराबरी कर सकते हैं विराट कोहली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंदौर। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरे मैच में विराट कोहली की नजर एक खास रिकॉर्ड पर रहेगी। चार मैच की टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला एक मार्च से इंदौर में खेला जाएगा। इस मुकाबले में विराट कोहली एक खास रिकॉर्ड अपने नाम कर सकते हैं। कोहली ने अब तक भारत के लिए 492 मैच खेले हैं और 299 कैच पकड़े हैं। इंदौर में एक कैच पकड़ते ही वह देश के लिए 300 कैच पूरे कर लेंगे। कोहली यह कारनामा करने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी होंगे। विराट से पहले राहुल द्रविड़ ऐसा कर चुके हैं। द्रविड़ ने 509 मैच में देश के लिए 334 कैच पकड़े हैं।

टेलर और पोंटिंग के क्लब में शामिल होंगे

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अब तक छह खिलाड़ी 300 या उससे ज्यादा कैच पकड़ चुके हैं। इस सूची में पहला नाम श्रीलंका के महेला जयवर्धन का है। जयवर्धने ने 652 मैच में 440 कैच लपके हैं। वहीं, दूसरे स्थान पर रिकी पोंटिंग हैं, जिन्होंने 560 मैच में 364 कैच पकड़े हैं। न्यूजीलैंड के रॉस टेलर ने 450 मैच में 351 कैच पकड़े हैं और तीसरे स्थान पर हैं। 338 कैच के साथ जैक्स कैलिस चौथे और 334 कैच पकड़ने वाले राहुल द्रविड़ पांचवें स्थान पर हैं। स्टीफन फ्लेमिंग 306 कैच के साथ छठे स्थान पर हैं। अब विराट कोहली ऐसा करने वाले सातवें खिलाड़ी बनने के करीब हैं।

स्लिप में कैच छोड़ रहे विराट

विराट कोहली दुनिया के सबसे बेहतरीन फील्डर्स में से एक हैं, लेकिन पिछले कुछ समय में उन्होंने स्लिप में काफी कैच टपकाए हैं। 2022 में भी वह स्लिप में सबसे ज्यादा कैच छोड़ने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल थे और 2023 में भी अब तक वह स्लिप में काफी कैच छोड़ चुके हैं। इनमें से कई कैच बेहद मुश्किल भी रहे हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोहली जैसे खिलाड़ियों से ऐसे कैच पकड़ने की उम्मीद की जाती है। हालांकि, उम्मीद है कि विराट इंदौर में कैच पकड़ने के साथ ही बल्ले से भी रन बनाएंगे और क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में शतकों का सूखा खत्म करेंगे। विराट कोहली ने टेस्ट में अपना आखिरी शतक नवंबर 2019 में बांग्लादेश के खिलाफ लगाया था। इसके बाद से वह देश के लिए कोई मैच जिताऊ पारी नहीं खेल पाए हैं। इंदौर की पिच शुरुआत में बल्लेबाजों के लिए मददगार होती है और बाद में स्पिन गेंदबाजों को मदद करती है। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि कोहली भारत की पहली पारी में बेहतरीन शतक लगाएंगे।

Contact for
Grills, Railing, Gate, Tin Shade,
Stairs and other fabrication

V K FABRICATOR
5/603 Vikas Khand, Gomti Nagar Lucknow -226010
Mob : 9918721708

एक्जिट पोल : मेघालय में लग सकता है भाजपा को झटका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मेघालय चुनाव पर एग्जिट पोल में एनपीपी को सबसे ज्यादा सीटें मिलने का अनुमान है। एनपीपी को 21-26 सीटें मिलने का अनुमान है। वहीं सत्ता का ख्वाब देख रही बीजेपी को झटका लगा है। बीजेपी को 6-11 सीटें मिलने का अनुमान है। मेघालय में बीजेपी से ज्यादा टीएमसी को सीटें मिल सकती हैं। टीएमसी को 8-13 सीटें मिलने का अनुमान है। कांग्रेस के खाते में 3-6 सीटें जा सकती हैं जबकि अन्य के खाते में 10-19 सीटें मिलने का अनुमान है। वहीं इंडिया टुडे-एक्सिस माय इंडिया के एग्जिट पोल में भी एनपीपी को सबसे ज्यादा 18-24 सीटें मिलने का अनुमान है। बीजेपी को 4-8 सीटें, कांग्रेस को 6-12 सीटें, टीएमसी को 5-9 सीटें मिल सकती हैं। जबकि अन्य को 4-8 सीटें मिलने का अनुमान है।

एग्जिट पोल में त्रिपुरा में बीजेपी को 36 से 45 सीटें मिलने का अनुमान है। लेफ्ट और कांग्रेस गठबंधन को 6 से 11 सीटें। तिपरा मोथा पार्टी को 9 से 16 सीटों का अनुमान है।

एग्जिट पोल में नागालैंड में ,एनडीपीपी-बीजेपी गठबंधन को सबसे ज्यादा 67 प्रतिशत वोट का अनुमान है। नगालैंड में बीजेपी एनडीपीपी गठबंधन को 35 से 43 सीटें मिलने का अनुमान है। इसके अलावा एनपीएफ को 2 से 5, एनपीपी को 0 से 1, कांग्रेस को 1 से 3 और अन्य को 6 से 11 सीटों का अनुमान जताया गया है।

नतीजों के बाद संगमा बनाएंगे गठबंधन

मेघालय । मेघालय में मतदान और उसके बाद जारी एग्जिट पोल में सरकार बनाने को लेकर मामला फंस गया है। एग्जिट पोल में किसी भी पार्टी को बहुमत न मिलने का दावा किया गया है। हालांकि, एनपीपी यहां सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरती दिख रही है। इस बीच मुख्यमंत्री कोनराड संगमा ने गठबंधन बनाने के संकेत दिए हैं। संगमा ने कहा कि वह स्थिर सरकार बनाने के लिए सभी विकल्प खुले रखेंगे। उन्होंने कहा, हम एक स्थिर सरकार बनाने के लिए अपने सभी विकल्प खुले रखेंगे। हम यह देखकर खुश हैं कि रुझान हमारे पक्ष में हैं, क्योंकि हमें पिछली बार की तुलना में अधिक सीटें मिलने की उम्मीद थी। उन्होंने कहा, राज्य में एक स्थिर सरकार बनाने के लिए राज्य के सर्वोत्तम हित को ध्यान में रखते हुए निर्णय लिया जाएगा। बता दें, पिछली बार संगमा ने भाजपा के समर्थन से सरकार बनाई थी। इसके बावजूद दोनों पार्टियों ने अगल-अगल चुनाव लड़ा है।

59
सीटों के आएंगे नतीजे, बची हुई सीट पर बाद में होगा उपचुनाव

मेघालय चुनाव का मौजूदा समीकरण

मेघालय में भाजपा, कांग्रेस, एनपीपी और तृणमूल कांग्रेस समेत इस बार 13 राजनीतिक दल मैदान में हैं। कुल 375 उम्मीदवार चुनावी मैदान में है। इनमें 36 महिला उम्मीदवार भी शामिल हैं। मेघालय चुनाव में भाजपा और कांग्रेस ने 60-60 उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है, जबकि तृणमूल कांग्रेस ने 56 उम्मीदवारों को टिकट दिया है। इसके अलावा सीएम कोनराड के. संगमा के नेतृत्व वाली एनपीपी ने 57 उम्मीदवारों, यूडीपी ने 46, एचएसपीडीपी ने 11, पीपुल्स डेमोक्रेटिक फंट ने 9, गण सुरक्षा पार्टी ने एक, गारो नेशनल काउंसिल ने दो, जनता दल (यूनाइटेड) ने तीन उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। एक सीट पर एक प्रत्याशी के निधन के चलते अभी 59 सीटों पर ही मतदान हुआ है। ऐसे में नतीजे भी इन्हीं 59 सीटों के आएंगे। बची हुई सीट पर बाद में उपचुनाव होगा।

फोटो: सुमित कुमार

विधानसभा सत्र विधानसभा सत्र में भाग लेने जाते विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, स्वतंत्रदेव सिंह, विजय बहादुर पाठक, जितिन प्रसाद, अभय सिंह, रागिनी सोनकर, पल्लवी पटेल व अन्य विधायकगण।

फोटो: 4पीएम

अनावरण उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने लखनऊ विवि में जनसंख्या घड़ी का किया अनावरण।

बजट सत्र बुलाने की मंजूरी न मिलने पर पंजाब सरकार पहुंची सुप्रीम कोर्ट

» आप सरकार और राज्यपाल का विवाद, दोपहर में सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पंजाब में विधानसभा का बजट सत्र बुलाने की मंजूरी न मिलने के खिलाफ आम आदमी पार्टी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। कोर्ट ने इस याचिका को स्वीकार करते हुए दोपहर 3.50 बजे सुनवाई का समय तय भी कर दिया है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की बेंच ने कहा कि महाराष्ट्र में शिवसेना को लेकर जारी राजनीतिक संकट के मामले पर सुनवाई के बाद सर्वोच्च न्यायालय इस मामले पर भी सुनवाई करेगा।

नीतीश सरकार ने उठाई बजट भाषण में विशेष राज्य के दर्जे की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधानमंडल का सोमवार को बजट सत्र प्रारंभ हो गया। राज्यपाल के अभिभाषण के बाद राज्य के वित्त मंत्री विजय कुमार चौधरी ने आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया। आर्थिक सर्वेक्षण पेश करते हुए उन्होंने कहा कि बिहार तेजी से विकास कर रहा है और देश भर में विकास इंडेक्स के मामले में राज्य के मामले में बिहार तीसरे नंबर पर है।

उन्होंने कहा कि 2021-22 में आर्थिक विकास के मामले में बिहार पूरे देश में तीसरे स्थान पर है। पिछले वित्त वर्ष में बिहार का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) की वृद्धि दर 10.98 प्रतिशत रही जो देश के सभी राज्यों में तीसरी सर्वोच्च वृद्धि दर है । उन्होंने बताया कि 21-22 में प्रति व्यक्ति आय 6400 बढ़ा है। केंद्र की योजनाओं में पैसे नहीं मिल रहे हैं, हमें अपने संसाधन से योजना पूरा करना पड़ता है। कई योजनाओं में केन्द्रांश घटा दिए है और केंद्रांस घटाने के बावजूद भी समय पर पैसे नहीं मिल रहे हैं।

केंद्र ने हिमाचल सरकार को दी धमकी

केंद्रीय योजनाओं का पैसा वक्त पर नहीं खर्चा तो लगेगा जुर्माना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। केंद्रीय योजनाओं का पैसा न खर्च करने के मामले में केंद्र सरकार ने राज्य की सुक्खू सरकार को चेतावनी दी है। यह चेतावनी केंद्र से वित्त पोषित योजनाओं की फंडिंग के मामले में दी गई है।

केंद्रीय वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग के निदेशक प्रतीक कुमार सिंह ने प्रदेश के मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना और सचिव वित्त को एक पत्र लिखा है। इसमें चेतावनी दी है कि केंद्रीय योजनाओं के लिए केंद्र से आने वाले बजट और इसके राज्य के हिस्से को निर्धारित समय पर सिंगल नोडल एजेंसी (एसएनए) के खाते में 30 दिन के अंदर डाला जाए, ताकि समय पर संबंधित योजना में खर्च किया जा सके। अगर ऐसा नहीं किया तो सालाना सात फीसदी की दर से जुर्माना ब्याज देना होगा। यह नई व्यवस्था आगामी वर्ष में 1 अप्रैल 2023 से लागू होगी। सिंगल नोडल एजेंसी के खाते में केंद्र से आए पैसे को जमा करने की अवधि इससे पहले 21 दिन थी जबकि राज्य के बजट की अवधि 40 दिन थी। अब केंद्र सरकार से आए बजट को जमा करने की अवधि को 30 दिन किया गया है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।